मेरी माँ

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» रामप्रसाद बिस्मिल -- एक क्रांतिकारी लेखक और शहीद

» माँ का साथ -- विरोध के बावजूद उत्साह बनाए रखना

» ईमानदारी की कसौटी -- झूठे हस्ताक्षर से इनकार

» माँ की खुद की शिक्षा -- मेहनत से सीखना और दूसरों को सिखाना

» बिस्मिल की कृतज्ञता -- माँ के प्रति उनके शब्द

» आत्मकथा विधा और 'ऐ मातृभूमि' -- देशभक्ति की भावना

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. भगत सिंह ने रामप्रसाद बिस्मिल के बारे में क्या कहा था?

› भगत सिंह ने कहा बिस्मिल 'बड़े होनहार नौजवान' थे

› उन्हें 'गज़ब के शायर' और 'योग्य' बताया

› यह भी कहा कि अगर वे किसी और समय/देश में होते तो सेनाध्यक्ष बनते

उत्तर – भगत सिंह ने रामप्रसाद बिस्मिल को होनहार, प्रतिभाशाली शायर और इतना योग्य बताया कि वे किसी और परिस्थिति में सेनाध्यक्ष बन सकते थे।

उदाहरण 2. माताजी ने बिस्मिल के देश-सेवा के जुनून को बनाए रखने के लिए क्या-क्या किया?

› उन्होंने लखनऊ कांग्रेस जाने के लिए ख़र्च दिया, जबकि दादी-पिता ने विरोध किया

› बेटे के सेवा-समिति में काम करने पर मिलने वाली डाँट-फटकार खुद सह ली

› शिक्षा पूरी होने तक विवाह को टलवाया ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो

उत्तर – माताजी ने विरोध सहते हुए भी बेटे को कांग्रेस जाने के लिए पैसे दिए, उसके देश-सेवा के काम पर मिलने वाली डाँट खुद झेली, और उसकी शिक्षा को प्राथमिकता दी।

उदाहरण 3. वकील साहब ने बिस्मिल से क्या करने को कहा, और बिस्मिल ने क्या जवाब दिया?

› वकील ने कहा कि बिस्मिल पिताजी के हस्ताक्षर वकालतनामे पर कर दें

› बिस्मिल ने तुरंत कहा कि यह धर्म विरुद्ध होगा और वे यह पाप नहीं कर सकते

› समझाने पर भी वे अपने निर्णय पर अडिग रहे

उत्तर – वकील ने बिस्मिल से पिताजी के नकली हस्ताक्षर करने को कहा, पर बिस्मिल ने इसे धर्म-विरुद्ध और पाप बताते हुए साफ़ मना कर दिया, चाहे इससे मुकदमा खारिज ही क्यों न हो जाए।

उदाहरण 4. बिस्मिल की माँ ने पढ़ना-लिखना कैसे सीखा?

› उन्हें पढ़ने का शौक खुद ही पैदा हुआ था

› मोहल्ले की शिक्षित सखी-सहेलियों से उन्होंने अक्षर-बोध किया

› घर का काम निपटाकर जो समय मिलता, उसमें अभ्यास करतीं, जिससे वे देवनागरी की किताबें पढ़ने लगीं

उत्तर – बिस्मिल की माँ ने अपने शौक से, मोहल्ले की पढ़ी-लिखी सहेलियों की मदद से, और घर के काम के बाद बचे समय में मेहनत करके पढ़ना-लिखना सीखा।

उदाहरण 5. बिस्मिल ने अपनी माँ को 'जीवनदात्री' क्यों कहा?

› 'जीवनदात्री' का अर्थ है जीवन देने वाली
› बिस्मिल कहते हैं माँ ने सिर्फ़ जन्म देकर पालन-पोषण ही नहीं किया
› बल्कि आत्मिक, धार्मिक और सामाजिक उन्नति में भी हमेशा सहायता की

उत्तर – बिस्मिल ने माँ को 'जीवनदात्री' कहा क्योंकि उन्होंने सिर्फ़ जन्म और पालन-पोषण ही नहीं किया, बल्कि उनके आत्मिक, धार्मिक और सामाजिक विकास में भी हमेशा साथ दिया।

उदाहरण 6. 'आत्मकथा' और 'जीवनी' में क्या अंतर है?

› आत्मकथा वह होती है जो व्यक्ति खुद अपने जीवन के बारे में लिखता है
› जीवनी वह होती है जो किसी और व्यक्ति के बारे में कोई दूसरा लेखक लिखता है
› यह पाठ बिस्मिल की खुद लिखी आत्मकथा का अंश है

उत्तर – आत्मकथा में व्यक्ति खुद अपने जीवन की कहानी लिखता है, जबकि जीवनी किसी दूसरे लेखक द्वारा किसी व्यक्ति के जीवन के बारे में लिखी जाती है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• लेखक-परिचय में हमेशा नाम, पहचान (क्रांतिकारी/शायर), और उनकी प्रसिद्ध रचना का नाम लिखें।
• 'माताजी ने बिस्मिल का साथ कैसे दिया' जैसे प्रश्न में कम-से-कम दो घटनाओं (ख़र्च देना + डाँट सहना) का उल्लेख करें।
• 'बिस्मिल ने वकील की बात क्यों नहीं मानी' -- उत्तर में उनके शब्द 'धर्म विरुद्ध' और 'पाप' ज़रूर लिखें, यह उनके तर्क का आधार है।
• यह दिखाना ज़रूरी है कि माँ की शिक्षा 'स्व-प्रेरित' (खुद की इच्छा से) थी, स्कूल जाकर नहीं -- यही इस कहानी की खास बात है।
• इस तरह के भावनात्मक गद्यांश में हमेशा मूल शब्द ('जीवनदात्री', 'दया से', 'श्रेय') उद्धृत करके उत्तर लिखें, इससे अंक अच्छे मिलते हैं।
• 'यह पाठ किस विधा में लिखा गया है' जैसे प्रश्न में सीधे 'आत्मकथा' लिखें, और कारण भी दें कि यह लेखक की खुद की कहानी है।

एक नज़र में रिवीज़न

› रामप्रसाद बिस्मिल - क्रांतिकारी शायर, 'सरफ़रोशी की तमन्ना' के रचयिता, 30 वर्ष की आयु में शहीद।
› माताजी ने विरोध सहकर भी बिस्मिल को कांग्रेस भेजा, उसका उत्साह बनाए रखा, और शिक्षा को प्राथमिकता दी।
› वकील ने नकली हस्ताक्षर करने को कहा; बिस्मिल ने इसे पाप मानकर साफ़ इनकार कर दिया।
› माँ ने शौक और मेहनत से हिंदी पढ़ना सीखा, फिर अपनी बेटियों को भी शिक्षित किया।
› बिस्मिल अपनी देश-सेवा, शिक्षा, साहस -- सबका श्रेय माँ को देते हैं; माँ को 'जीवनदात्री' कहते हैं।
› आत्मकथा = खुद लिखी अपनी कहानी (जीवनी से अलग); 'ऐ मातृभूमि' कविता में देशभक्ति की प्रार्थना।